भारत सरकार

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2983

बुधवार, 6 अगस्त, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान नेटवर्क

†**2983. सुश्री कंगना रनौत:**

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2014 से राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान नेटवर्क का कितना विस्तार हुआ हैं;

(ख) वर्ष 2014 से सरकार द्वारा जारी की गई भूकंप संबंधी रिपोर्टों की संख्या कितनी है;

(ग) क्या सरकार ने शहरों के माइक्रोज़ोनीकरण की प्रकिया शुरू की है; और

(घ) यदि हां, तो वर्ष 2014 से, विशेषकर हिमाचल प्रदेश में, कितने शहरों को माइक्रोज़ोन किया गया है?

उत्तर

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस) के अंतर्गत, राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) का अगस्त 2014 में स्थापना के बाद राष्ट्रीय भूकंपीय वेधशालाओं अवसंरचना का उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। 2014 में वेधशालाएं लगभग 84 भूकंपीय से बढ़कर आज 168 हो गई हैं, जिनमें वीसैट के माध्यम से वास्तविक समय में डेटा रिपोर्टिंग होती है।

(ख) एनसीएस द्वारा मासिक भूकंप सारांश रिपोर्ट जारी किया जाता है, जो "मासिक रिपोर्ट" और "आरकाइव मासिक रिपोर्ट" वेब पेजों के माध्यम से उपलब्ध हैं; एनसीएस वेबसाइट (seismo.gov.in) पर हर महीने कवर होती हैं। अप्रैल 2020 से उपलब्ध डाटा के आधार पर बडे/उल्लेखनीय भूकंपों के संबंध में कुल 34 रिपोर्टें जारी की गई है। जनवरी 2020 से

जून 2025 के दौरान 0-40^{o}N और 60-100^{o}E के ग्रिड में संबंधित प्राधिकरणों को जारी कुल 80029 भूकंपों की जानकारी के अतिरिक्त है।

(ग) और (घ) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (NCS) माध्यम से भूकंपीय माइक्रोजोनेशन डेटा तैयार किया जाता है जो मंत्रालय के दिशानिर्देशों पर आधारित होता है। भूकंपीय माइक्रोजोनेशन के लिए दिल्ली, बेंगलुरु, कोलकता, गुवाहाटी, जबलपुर, देहरादून, अहमदाबाद, गांधी धाम और सिक्किम के गैगंटोक शहर को कवर किया गया हैं। उसके बाद, 2018 से अब तक भूकंपीय माइक्रोजोनेशन के लिए लगभग 30 शहरों को चुना गया है। इसके तहत चेन्नई, कोयंबटूर, भुवनेश्वर और मेंगलोर जैसे शहर शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, पटना, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर, मेरठ, आगरा, धनबाद, अमृतसर जैसे शहरो में इसका पूरा होना अंतिम चरण में हैं। बहुत ही जल्दी हिमाचल प्रदेश के सुंदरनगर, ऊना, पालमपुर, शिमला, कांगड़ा और धर्मशाला को भूकंपीय माइक्रोज़ोनेशन के लिए चुना जाएगा।

*****